Newspaper Clips

May 28-30, 2016

May 30

Business Standrad Hindi ND 30.05.2016 P-4

भर्ती मानक कड़े करने की तैयारी में आईआईटी-आईआईएम

विनय उमरजी और रघु कृष्णन
अहमदाबाद/बेंगलूरु, 29 मई

विभिन्न भारतीय प्रबंध संस्थानों (आईआईएम) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) से विद्यार्थियों के चयन के बाद फ्लिपकॉर्ट द्वारा उन्हें नियुक्त करने में देरी की वजह से अब संस्थान कंपनियों, खासकर स्टार्टअप द्वारा परिसर से भर्ती की नीति के मानकों में बदलाव पर विचार कर रहे हैं।

आईआईएम बेंगलूरु में करियर विकास सेवा की प्रमुख सपना अग्रवाल ने कहा, '100 से ज्यादा कंपनियों की ओर से भर्ती का काम विश्वास पर होता है। हम आखिरी वक्त पर 'हो सकता है' वाली स्थिति नहीं रखना चाहते। ज्यादातर विद्यार्थियों के पास अन्य पेशकश भी होती है।'

आईआईटी भी 'एक विद्यार्थी एक पेशकश' के मानक में बदलाव और विद्यार्थियों को कई साक्षात्कारों में शामिल होने की अनुमति देने पर विचार कर रहे हैं। एक आईआईटी में पूर्व प्लेसमेंट चेयरपर्सन ने कहा, 'पिछले साल स्टार्टअप ने हमसे पहला दिन मांगा। वे यह भी प्रतिबद्धता चाहते हैं कि साक्षात्कार के लिए बेहतर विद्यार्थी दिए जाएं, लेकिन वे मोल तोल को हिस्सा नहीं बनाना चाहते।'

नियोक्ता से खफा

एक सुझाव यह भी आया है कि स्टार्टअप के लिए प्लेसमेंट की तिथि बढ़ाकर मार्च तक ले जाया जाए, जब फर्में अपनी भर्ती योजना पर फैसले को लेकर बेहतर स्थिति में रहती हैं।

सरकार चाहती है कि कंपनियां विद्यार्थियों की रुचि का भी खयाल रखें। वित्त राज्यमंत्री जयंत सिन्हा ने कहा, 'हम जानते हैं कि फ्लिपकॉर्ट में क्या हो रहा है। आईआईटी और आईआईएम क्या करने जा रहे हैं, इसके बारे में आप क्या सोचते हैं? आप सोचते हैं कि कोई स्टार्टअप के लिए काम करने जा रहा है।'

Hindu ND 30/05/2016 P-13

IITians to help JEE aspirants

NEW DELHI: To reduce the influence of coaching centres, the Human Resource Development (HRD) Ministry has planned an out-of-the-box strategy as part of which IIT students will create modules on various topics to help aspirants clear the JEE entrance examination.

Free study material on app

The Ministry is working on a plan to create an IIT-Pal app which would have free high-quality study material in 11 languages, including English, Hindi, Bengali, Tamil, Telugu, Odiya, Kannada, Malyalam, Marathi, Gujarati and Punjabi.

"The material needs to be of the best quality and should cover the syllabus of Physics, Chemistry and Maths in detail. The plan is to invite volunteers from among second-year IIT students who, under the guidance of an anchor professor, will prepare various topics," senior HRD officials said. Around 150 major topics were required for preparation for the exam, they said.

The IIT students will be invited to prepare notes on how best to teach the concept to aspirants and, on the basis of this exercise, winning entries will be chosen. One IIT-Pal team will be selected for each topic.

"To ensure healthy competition, teams whose content on various topics is chosen may be given an honorarium of up to Rs. 1 lakh each," they said.

Help desk

The Ministry is also planning to set up a help centre with a toll-free number, where teaching assistants will answer queries from aspirants. — PTI

Amar Ujala ND 30/05/2016
P-13

आईआईटी में दाखिले की तैयारी करवाएंगे प्रोफेसर और छात्र

अमर उजाला ब्यूरो

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय 11 भाषाओं में तैयार करा रहा अध्ययन सामग्री
- बीटेक दूसरे साल के छात्रों की प्रतियोगिता पेपर के आधार पर तैयार होगा पोर्टल, छात्रों को पुरस्कार भी मिलेगा

नई दिल्ली। आईआईटी में दाखिले की दौड़ के लिए महंगी कोचिंग और छात्रों में बढ़ते तनाव को देखते हुए सरकार छात्रों के लिए विशेष आ ई आ ई टी - पी ए ए ल (आईआईटी- प्रोफेसर असिस्टेड लर्निंग) पोर्टल तैयार करवा रही है। आम से लेकर खास छात्र घर बैठे इस पोर्टल की मदद से जेईई एडवांस की तैयारी कर सकेंगे। खास बात यह है कि यह पोर्टल आईआईटी के प्रोफेसर और बीटेक दूसरे वर्ष के छात्र तैयार करेंगे। इसमें बीटेक दूसरे वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित प्रतियोगिता के प्रश्नपत्र और उत्तर को भी अपलोड किया जाएगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय इंजीनियरिंग दाखिले में बढ़ती प्रतियोगिता के चलते आम छात्रों की भी मदद करना चाहती है, ताकि वे महंगी कोचिंग की बजाय स्वयं अपनी तैयारी से आईआईटी में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली जेईई एडवांस की परीक्षा खुद पास कर सकें। मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री ने साफ निर्देश दिए हैं कि जेईई एडवांस की परीक्षा 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम के आधार पर होगी। उसमें बाहर से कोई प्रश्न नहीं होगा।

इसके अलावा आईआईटी में दाखिले के लिए आम से लेकर खास छात्र महंगा लोन लेकर कोचिंग की तैयारी करते हैं, लेकिन सफल न होने पर हताशा के बीच आत्महत्या तक कर लेते हैं। इन्हीं बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय पोर्टल तैयार कर रहा है। इस पोर्टल की जिम्मेदारी आईआईटी के प्रोफेसर की टीम को दी जाएगी, जिसमें छात्रों को भी हिस्सा लेना है। पोर्टल में पेपर समेत 11 भाषाओं इंग्लिश, हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, उड़िया, कन्नड़, मलयालम, मराठी, गुजराती, पंजाबी में अध्ययन सामग्री उपलब्ध होगी। इस पोर्टल के माध्यम से छात्रों के सवालों का आईआईटी विशेषज्ञ ऑनलाइन जवाब भी देंगे। इसके लिए अलग से लिंक भी होगा।

बीटेक छात्रों के लिए आयोजित होगी प्रतियोगिता

बीटेक दूसरे वर्ष के छात्रों के लिए देशभर के आईआईटी में फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथ्स के डेढ़ सौ टॉपिक पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में जो प्रश्नपत्र और उत्तर होंगे, उसे पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा, ताकि छात्र घर बैठे जान सकें कि किस प्रकार के प्रश्न जेईई एडवांस की परीक्षा के लिए पूछे जाते हैं। इसके अलावा पिछले सालों के सभी प्रश्न पत्र उत्तर पुस्तिका के साथ भी अपलोड किए जाएंगे। पुरस्कार में नकद राशि भी दी जाएगी।

Times of India ND 30/05/2016 P-08

Car made by IITians set for race on global stage

Debdutta.Mitra
@timesgroup.com

IIT-Bombay's racing team shows off OCRA, developed in nine months

Mumbai: A racing car developed by over 75 IITians from the Bombay branch is set to compete against similar models designed by over 100 student teams from around the world. It took the team nine months to design the car, named 'ORCA'.

IIT-Bombay's racing team launched ORCA, along with NRB Bearings, Tata Motors, CEAT Tyres and other sponsors on Sunday at the campus auditorium.

"With an acceleration of 0-100kmph in 3.47 seconds, ORCA is faster than any other sports car made by Porsche, Tesla or Audi. Not only is its acceleration a record, it is the first time we have a special steel-frame chassis with carbon-fibre manufactured body, which not only reduces the weight but also stabilises the car at high speeds," said Rishabh Kappasia, a 4th-year student of Engineering Physics and leader of Team ORCA. "The car is awesome to drive thanks to its light weight, and its stability increases at high speeds," added Manthan Mahajan, a 4th-year student who drives ORCA whenever the team participates in any competition.

The car will represent India in the Formula Student UK competition, an annual car competition where electric and IC engine cars are judged on the type of engineering and the presentation skill, among other parameters. The IIT-Bombay team has participated in the event over the past five years, and are the only team to receive the FS award for design improvement three consecutive years.

Aaj samaj ND 30.05.2016 P-05

पड़ताल

आईआईटी खड़गपुर और एएसआई के वैज्ञानिकों ने किया बड़ा खुलासा

5500 नहीं, 8 हजार साल पुरानी है सिंधु सभ्यता

- तथ्यों के मुताबिक मिस्र और मेसोपोटामिया से भी ज्यादा पुरानी है यह सभ्यता
- भारत के बड़े हिस्से में था इस सभ्यता का विस्तार

नई दिल्ली। आईआईटी खड़गपुर और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वैज्ञानिकों ने सिंधु घाटी सभ्यता को लेकर ऐसे तथ्य सामने रखे हैं, जिनसे पता चलता है कि यह सभ्यता 5,500 नहीं बल्कि 8,000 साल पुरानी है। इस हिसाब से सिंधु घाटी मिस्र और मेसोपोटामिया की सभ्यता से भी पुरानी सभ्यता है।

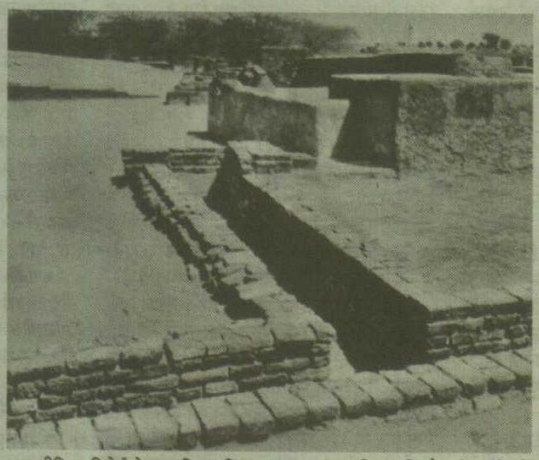

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मिस्र की सभ्यता के 7,000 ईसा पूर्व से लेकर 3,000 ईसा पूर्व तक रहने के प्रमाण हैं, जबकि मेसोपोटामिया 65,00 से 31,00 ईसा पूर्व की सभ्यता मानी जाती है। रिसर्चरों ने हड़प्पा सभ्यता से 1,000 साल पहले की सभ्यता के प्रमाण भी खोज लिए हैं। यह रिसर्च एक प्रतिष्ठित रिसर्च मैगजीन में प्रकाशित हुई है।

ऐसे नष्ट हुई यह सभ्यता

वैज्ञानिकों ने 3 हजार वर्ष पूर्व इस सभ्यता के लुप्त होने के कारणों का भी पता लगाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, मौसम में हुए बदलाव के चलते ये सभ्यता नष्ट हुई थी। आईआईटी खड़गपुर के जियोलॉजी एवं जियोफिजिक्स डिपार्टमेंट के हेड अनिंदय सरकार ने बताया कि हमने इस सभ्यता की प्राचीनतम पॉटरी को खोज निकाला है। इसके काल का पता लगाने के लिए हमने ऑप्टिकली स्टिम्युलेटेड लूमनेसन्स तकनीक का इस्तेमाल किया। इससे पता चला कि ये पॉटरी हड़प्पा काल के लगभग 6 हजार साल पहले के है।

हरियाणा से नाता

वैज्ञानिकों की टीम यह साबित करने में जुटी थी कि यह सभ्यता हरियाणा के भिर्राना और राखीगढ़ी में थी। भिर्राना हरियाणा के फतेहाबाद का छोटा सा गांव है, जबकि राखीगढ़ी हिसार में है। भिर्राना की खुदाई करने पर वैज्ञानिकों को हड्डियां, गायों के सींग, बकरियों, हिरणों और चिंकारा के अवशेष मिले। इन सभी चीजों की कार्बन 14 एनालिसिस के जरिए जांच की गई।

भारत के बड़े हिस्से में था विस्तार

रिसर्चरों का मानना है कि सिंधु घाटी सभ्यता का विस्तार भारत के बड़े हिस्से में था। इसका विस्तार अब लुप्त हो चुकी सरस्वती नदी के किनारे या घग्गर-हाकरा नदी तक था। अनिंदय सरकार बताते हैं कि इस बारे में बहुत पर्याप्त अध्ययन नही किया गया क्योंकि हमारे पास जो भी जानकारियां हैं, वो अंग्रेजों द्वारा कराई गई खुदाई पर आधारित है।

Business Line ND 30/05/2016 P-13

Flipkart effect: IIM-A to rejig norms for recruiters

Students can handle situation, says placement panel chief

RUTAM VORA

Ahmedabad, May 29

Having burnt its fingers with e-commerce major Flipkart, the Indian Institute of Management-Ahmedabad (IIM-A) is considering bringing in new norms for recruiters to avoid a repeat in the future.

Earlier last week, Flipkart had decided to postpone by six months the joining dates for 18 new recruits from the institute.

Speaking to *BusinessLine*, Asha Kaul, Chairperson, Placement Committee - IIM-A, said, "For the first time, such a long deferment of joining date has happened. We are planning to review our policies for the recruiters and make suitable additions. "The placement committee will meet after the internships of the students are over. We will consult with the faculty and students and firm up recruitment norms to be shared with future recruiters."

Compensation issue

IIM-A had also raised with Flipkart the issue of increasing the compensation amount for the deferment. But the e-commerce player seems to be in no mood to change its stand.

Flipkart had offered ₹1.5 lakh as joining bonus for the six months of deferment.

Even as there has been no breakthrough with Flipkart, the institute believes that the

relationship with the e-commerce player has remained far from turning sour. "There is nothing like IIM-A versus Flipkart. Had this letter not been leaked, the matter would have been resolved amicably. Decisions on corporate restructuring are not taken overnight. Even if they had an inkling of the same they should have given the students a heads up," said Kaul, adding that the students of the institute are capable of dealing with such situations.

For the Flipkart issue, Kaul believes it to be more of a sectoral phenomenon than an isolated case of the company. Meanwhile, other companies have started approaching the students with their offers. "More than the financials, what matters is the roles from student's choice. Flipkart or no Flipkart, the students are bright enough to rise to unprecedented heights," Kaul said.

BusinessLine

Disclaimer: Readers are requested to verify & make appropriate enquiries to satisfy themselves about the veracity of an advertisement before responding to any published in this newspaper. Kasturi & Sons Limited, the Publisher & Owner of this newspaper, does not vouch for the authenticity of any advertisement or advertiser or for any of the advertiser's products and/or services. In no event can the Owner, Publisher, Printer, Editor, Director/s, Employees of this newspaper/company be held responsible/liable in any manner whatsoever for any claims and/or damages for advertisements in this newspaper.

May 29

Times of India ND 29.05.2016 P-01

Indus era 8,000 years old, not 5,500

Climate Change Ended It, Finds IIT-ASI Study

Jhimli.Mukherjeepandey
@timesgroup.com

Kolkata: It may be time to rewrite history textbooks. Scientists from IIT-Kharagpur and the Archaeological Survey of India have uncovered evidence that the Indus Valley Civilisation is at least 2,500 years older than believed, and a pre-Harappan civilisation existed for at least 1,000 years before it.

The discovery, published in the 'Nature' journal on May 25, may force a global rethink on the timelines of the so-called 'cradles of civilisation'. So far, it was believed that the Indus Valley settlements date back 5,500 years. The scientists also believe they know why the civilisation ended around 3,000 years ago — climate change.

"We have recovered perhaps the oldest pottery from the civilisation. We used a technique called 'optically stimulated luminescence' to date pottery shards of the Early Mature Harappan time to nearly 6,000 years ago and the cultural levels of pre-Harappan Hakra phase as far back as 8,000 years," said Anindya Sarkar, head of the department of geology and geophysics at IIT-Kharagpur. "We unearthed evidence of different cultural levels that mark the progress of the civilisation. In the earliest stages people did not know how to build houses and dug pits in the ground in which they lived. Then, there is evidence of crude pottery and ornaments made by hand. In the later stages, more sophistication is seen — the jewellery is fire-baked," Sarkar added.

The team had set out to prove that the civilisation proliferated to other Indian sites like Bhirrana and Rakhigarrhi in Haryana, apart from the known locations of Harappa and Mohenjo Daro in Pakistan and Lothal, Dholavira and Kalibangan in India.

▶Continued on P 12

FRESH EVIDENCE DUG UP IN HARYANA

- Indus Valley civilisation is around 8,000 years old, find suggests
- This was preceded by a pre-Harappan phase of 1,000 yrs
- Civilisation spread across large swathes of India, up to the now lost Saraswati river
- New findings are from sites in Bhirrana and Rakhigarrhi in Haryana (right)
- Civilisation died out with dwindling of monsoon from 7000 BC. Change in cropping pattern led to gradual break-up of urban settlements

Indus Valley evolved even as monsoon declined

▶Continued from P1

They took their dig to an unexplored site, Bhirrana — and ended up unearthing something much bigger. The excavation also yielded large quantities of animal remains like bones, teeth, horn cores of cow, goat, deer and antelope, which were put through Carbon 14 analysis to decipher antiquity and the climatic conditions in which the civilisation flourished, said Arati Deshpande Mukherjee of Deccan College, which helped analyse the finds along with Physical Research Laboratory, Ahmedabad.

The researchers believe that the Indus Valley Civilisation spread over a vast expanse of India — stretching to the banks of the now "lost" Saraswati river or the Ghaggar-Hakra river — but this has not been studied enough because what we know so far is based on British excavations. "At the excavation sites, we saw preservation of all cultural levels right from the pre-Indus Valley Civilisation phase (9,000-8,000 years ago) through what we have categorised as Early Harappan (8,000-7,000 years ago) to the Mature Harappan times," said Sarkar.

HISTORY TALK

The late Harappan phase witnessed large-scale de-urbanisation, drop in population, abandonment of established settlements, violence and even the disappearance of the Harappan script, the researchers say. The study revealed that monsoon started weakening 7,000 years ago but, surprisingly, the civilisation did not disappear.

The Indus Valley people were very resolute and flexible and continued to evolve even in the face of declining monsoon. The people shifted their crop patterns from large-grained cereals like wheat and barley during the early part of intensified monsoon to drought-resistant species like rice in the latter part. As the yield diminished, the organised large storage system of the Mature Harappan period gave way to more individual household-based crop processing and storage systems that acted as a catalyst for the de-urbanisation of the civilisation rather than an abrupt collapse, they say.

Business Standrad ND 29.05.2016 P-01

Flipkart scare: IITs, IIMs plan to tighten recruitment norms

VINAY UMARJI & RAGHU KRISHNAN
Ahmedabad/Bengaluru, 28 May

Stung by Flipkart's deferment of joining dates of graduates from various Indian Institutes of Management (IIMs), country's premier B-schools and Indian Institutes of Technology (IITs) are considering altering the norms for campus recruitment by companies, particularly start-ups.

"With over 100 companies, campus recruitment works on trust. We cannot have a maybe situation at the last minute. Most of the students had other offers as well," said Sapna Agarwal, head of career development services, IIM Bangalore.

The IITs are also planning to relax the 'one student one offer' norm and allow students to sit for multiple interviews. "There was arm twisting by other start-ups at some of the campuses last year for, day zero and day one slots. They want a commitment from us to give them the best students to interview, but they don't want to keep their part of bargain," said a former placement chairperson of one of the IITs.

One of the suggestions is to shift placement dates for start-ups to March when firms are in a better position to decide on their hiring plans.

The government has also said that companies should keep students' interest in mind. "We know what is happening in Flipkart. What do you think is going to happen in IITs and IIMs? You think anybody is going to work for a start-up," Union Minister of State for Finance Jayant Sinha said at a fireside chat event with ISPIRT, the group that is working on India-built software products and solutions.

ILLUSTRATION: BINAY SINHA

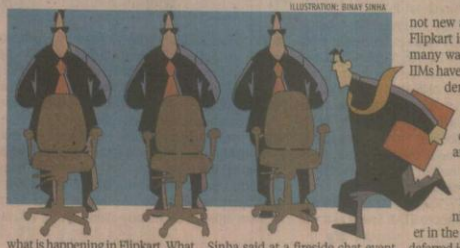

While deferred placements are not new at the IITs and IIMs, the Flipkart issue is unprecedented in many ways. In the past, IITs and IIMs have seen firms inducting students stretching over a few months, but the companies would clearly indicate this to the students and the institutes.

"There have been non-marquee technology and manufacturing companies, which usually come later in the placement calendar, with deferred joining dates for a few students due to technical reasons. These are isolated cases," said K Mohanty, chairperson for the centre of cafeer development at IIT Guwahati.

"Also, these companies would inform in advance just in case a student wanted to opt for another recruiter. However, what Flipkart has done is unprecedented as it has been across IITs and IIMs and at a very short notice."

Flipkart, which has hired in the past from IIMs and IITs, this year informed students it was deferring their joining to December on May 20, just three days before the candidates were to join its offices. Flipkart has cited an organisational rejig for the deferment and has committed ₹1.5 lakh as a joining bonus for each candidate. After a public spat with IIM Ahmedabad, it increased the bonus to ₹3 lakh.

Turn to Page 4 ▸

Flipkart to send fresh letters to IIM-A hires

Flipkart has promised to send revised letters to 18 students of the Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIM-A). IIM-A had earlier sent a strongly worded letter to Flipkart, protesting the announced delays to recruit freshers. Asha Kaul, chairperson (placements), IIM-A, told *Business Standard* the firm had informed the institute that it would send the revised letters "within a week". 3 ▸

Flipkart scare: IITs, IIMs plan to tighten recruitment norms

"This has never happened at IIM-A," Asha Kaul, chairperson of placements at IIM-Ahmedabad, told Business Standard. The institutes did not name the companies that had deferred joining dates in the past.

In some cases, multinational companies have extended joining dates for students due to visa issues. "These companies would then onboard the students at domestic locations when visas could not be issued for overseas postings. But this would be the case for a student or two and had not affected a large number of students or even several campuses," said V Babu, adviser for training and placements at IIT Madras. He refused to name these recruiters.

May 28

Times of India ND 28/05/2016 P-8

After Flipkart fiasco, IIM-A plans new norms

'Want To Send Recruiters A Strong Message'

Ashish.Chauhan
@timesgroup.com

Photo for representation

IIM-A has not taken kindly to Flipkart not honouring its offer to students

Ahmedabad: With Flipkart deferring the joining dates of 18 graduates of the Indian Institute of Management-Ahmedabad (IIM-A) by six months, the premier business school is set to draft new guidelines for placements to avoid such episodes in the future.

"We want to send a strong message to recruiters that they should define their recruitment policy appropriately before they go to campuses," Asha Kaul, chairperson of IIM-A's placement committee, said on Friday.

No solution has emerged in the Flipkart row so far, as both the institute and the company continue to stick to their demands. IIM-A has asked Flipkart to increase the compensation amount from the existing Rs 1.50 lakh, to be paid lump sum on joining, but the latter is neither ready to increase it nor change the joining dates. "I had a telecon with them (Flipkart). We tried to explain our points, they tried to explain their points. However, there was no progres," Kaul said.

▸Flipkart's loss to prove Amazon's gain? P 21

"Flipkart may have its own constraints and they would like to continue with the same compensation or bonus. It's up to the students to decide whether they want to wait and join Flipkart," she said, adding that Flipkart's decision to defer the joining dates was a setback for the recruited students.

Meanwhile, IIM-A has also issued a written statement, saying, "Flipkart has been a trusted recruiter, and we are facing such a situation for the first time. We are certain that this matter can be sorted out satisfactorily."

IITs plan safety net as other recruiters too ditch students

Hemali.Chhapia
@timesgroup.com

Mumbai: It's not just Flipkart. Instability in the startup space has led several firms to not just defer, but completely withdraw their offers to MBA and engineering graduates, leaving them in the lurch.

As a result, the Indian Institutes of Technology (IITs) are considering building a safety net for its students, even as they have allowed affected students to re-register for placements. At IIT-Guwahati, five students had to be accommodated for placements again after Zimply did not honour the offers it made. At IIT-Bombay, seven students who accepted offers from healthcare startup Portea and online grocery portal PepperTap had to be allowed participation in the second phase of placements after the two companies cancelled their offers.

Startups at some IITs, after making their offers, have negotiated and reduced the compensation they promised

While logistics startup Roadrunnr has deferred joining to December, mobile advertising company Inmobi has pushed it to November. "Every IIT is facing a problem with some startup or the other. We plan to draw up a policy wherein startups can be accommodated in a traditional way, but there is some safety net or an option to fall back on for students who accept these jobs," said IIT-Madras training and placement adviser V Babu.

The story doesn't end at deferred placements. Startups at some IITs, after making their offers, have negotiated and reduced the compensation they promised. The IITs will soon start preparing for next year's placement season, which starts in August. Before that the all-IIT placement committee will meet to finalise the institutes' stand on startups.

Hindustan ND 28/05/2016 P-15

स्टार्टअप में प्लेसमेंट को लेकर आईआईटी सतर्क

नई दिल्ली | अरुंधति रामनायन

देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थान (आईआईटी) और प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) में स्टार्टअप द्वारा छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट में दिए जा रहे ऑफर को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

दरअसल, हाल में यह खबर सामने आई कि ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज घरेलू कंपनी फ्लिपकार्ट ने इन संस्थानों क छात्रों की नियुक्ति प्लेसमेंट के छह माह बाद भी नहीं करा सकी है। हालांकि, फ्लिपकार्ट ने इसक बदले कैंपस से चुने गए छात्रों को देरी के एवज में 1.50 लाख रुपये नियुक्ति बोनस देने की घोषणा की है। ऐसी ही कई स्टार्टअप कंपनियां हैं जिन्होंने अभी तक चुने गए छात्रों की नियुक्ति नहीं करी सकी हैं। ऐसे में आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों की प्लेसमेंट कमेटी एकजुट होकर इस पर विचार कर रही हैं। इसमें यह विचार किया जाएगा कि कैंपस में राजस्व श्रोत और बैलेंस शीट दिखाने वाली स्टार्टअप कंपनियों को ही प्लेसमेंट के लिए प्रवेश की इजाजत दी जाए, ताकि छात्रों के करियर के साथ खिलवाड़ न हो।

आईआईटी के 150 छात्र इंतजार में: देश की अग्रणी ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट देश भर के चुनिंदा आईआईटी और आईआईएम संस्थानों को कैंपस में चुनने के छह माह बाद भी नियुक्त नहीं कर सकी है। अखिल भारतीय आईआईटी प्लेसमेंट कमेटी के

संयोजक कौस्तुभा मोहंती बताते हैं कि देशभर में 150 आईआईटी छात्र अभी स्टार्टअप कंपनियों में नियुक्ति के इंतजार में हैं। हॉपस्कॉच, कारदेखो, रोडरनर और क्लिक लैब्स भी नियुक्ति में असफल रही हैं।

स्टार्टअप को दिखानी होगी बैलेंसशीट : आईआईटी और आईआईएम के कैंपस में स्टार्टअप कंपनियों के प्रवेश पर अब प्लेसमेंट कमेटी गंभीरता से विचार कर रही है। मोहंती बताते हैं कि आने वाले समय में अब उन्हीं स्टार्टअप कंपनियों को प्रवेश की इजाजत मिलेगी जो अपने राजस्व श्रोत का खुलासा करेंगे और अपनी बैलेंस शीट दिखाएंगे। उन्होंने बताया कि कई कंपनी कैंपस में आईं जिनके पास मात्र चार कर्मचारी थे। मगर वह हमारे छात्र को 20 लाख रुपये वेतन का ऑफर कर रहे थे। हम अपने छात्रों को शिक्षित करेंगे कि वह किसी स्टार्टअप कंपनी का ऑफर स्वीकार करने से पहले सोच-समझ लें।

4,200 से अधिक स्टार्टअप हैं भारत में वर्ष 2015 तक

11,500 स्टार्टअप का अनुमान है वर्ष 2020 तक

फ्लिपकार्ट दबाव में

फ्लिपकार्ट के लिए आगे का रास्ता आसान नहीं होगा। मॉर्गन स्टेनली प्रबंधित एक म्यूचुअल फंड ने इस कंपनी में अपने शेयरों का मूल्य 15 .5 प्रतिशत घटा दिया है। इससे फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन 10 अरब डॉलर से कम हो गया है।

Indian Express ND 28/05/2016 P-10

JHARKHAND

IIT, BIT engineers among new secretarial assistants

PRASHANT PANDEY
RANCHI, MAY 27

NEARLY HALF of the 92 people who received appointment letters for the post of secretarial assistants from Jharkhand Chief Minister Raghubar Das on Wednesday hold engineering degrees, according to sources.

While one of them has an MTech degree from IIT-Kharagpur, others are graduates of institutes such as BIT (Mesra) and BIT (Sindri), among others, it is learnt.

A secretarial assistant is responsible for receiving, dispatching and tracking files and preparing proposals keeping with rules and regulations. The minimum qualification to apply for the post is a graduate degree. Those appointed can reach up to the post of a joint secretary through promotion over the years.

According to officials, there are a total of 1,313 secretarial assistant posts in the state government departments. Of these, 985 are to be filled up through direct recruitment, while the remaining are required to be filled up by promoting upper division clerks, or through internal examination.

At present, only 656 posts have been filled up.

In 2014, it was felt that at least 417 posts needed to be filled up through direct recruitment – at the rate of 104 per year. The process, which started in 2014, has reached its culmination now and a list of 104 names has been cleared.

Of these 104 people, 48 hold engineering degrees.

At present, appointment letters have been issued to 92. Of the remaining 12, some have not appeared for verification, while others have discrepancies in their documents, said officials. They would be appointed after verification, said officials.

Officials confirmed that one of those issued appointment letters holds an MTech degree from IIT-Kharagpur and is barely 30. Nearly half-a-dozen of them are graduates of BIT (Mesra), while a dozen are BIT (Sindri) alumni. One appointee is from ISM (Dhanbad), which has got the Cabinet's approval for being upgraded to an IIT. Among the others who received appointment letters are graduates of NIT-Patna, Motilal Nehru National Institute of Technology in Allahabad, Ranchi University and Acharya Vinoba Bhave University in Hazaribagh.

All appointees would attend a 15-day induction training at the Administration Training Institute here from Friday.

Secretary (Personnel) Nidhi Khare said: "For us, this is a pleasant development. If around 50 per cent of the batch is tech-savvy, then we don't have to teach them much. This would also encourage the others to master tech skills.

"We are trying to move towards paperless offices and a tech-savvy staff will facilitate that."

Hindustan ND 28/05/2016 p-6

इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वुमेन की छात्राओं ने इस तकनीक को तैयार किया

स्मार्टफोन एंड्रायड से विंडो में भी बदल सकेगा

पहल

नई दिल्ली | रोहित पंवार

अब आपका स्मार्टफोन और भी ज्यादा स्मार्ट हो सकता है। अगर विंडो मोबाइल है तो उसे एंड्रायड में बदला जा सकता है और एंड्रायड को विंडो में। इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वुमने की छात्राओं ने इस तकनीक को तैयार किया है।

'माई स्मार्टफोन किट' नाम की इस डिवाइस को पीएचडी छात्रा निधि अग्रवाल और जसलीन कौर ने दो वर्ष में माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के सहयोग से इसे बनाया। इनका दावा है कि दुनिया में पहली बार ऐसी तकनीक बनी है।

• छात्रा जसलीन और निधि

बकौल निधि और जसलीन कौर, 'यह लर्निंग किट है। इससे कोई भी स्मार्टफोन बना सकता है। ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) बदलना इसकी विशेषता है।' अगर इससे स्मार्टफोन बनाया जाता है तो उसमें अगल-अगल ओएस डाले जा सकते हैं, लेकिन एक समय पर एक ही ओएस काम करेगा। वहीं, विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रमुख डॉ. एसआरएन रेड्डी कहते हैं कि फिलहाल दुनियाभर में एक ऑपरेटिंग सिस्टम वाला ही स्मार्टफोन होता है, लेकिन इस डिवाइस से यह संभव होगा।

कंपनी ट्रिनिटी माइक्रो सिस्टम ने तकनीक खरीदी

इससे बनाने में आईआईटी दिल्ली का भी सहयोग लिया गया। प्रोजेक्ट के मेंटर एसआरएन रेड्डी के अनुसार, डिवाइस दिल्ली आधारित 'ट्रिनिटी माइक्रो सिस्टम' ने खरीदी है। बाजार में इसे बेचा जाएगा। कीमत का 10 फीसदी हिस्सा आईजीडीटीयू को मिलेगा। बता दें कि लर्निंग किट के तौर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों को इसके जरिये पढ़ाया भी जाएगा। फिलहाल, इस किट की कीमत 20 हजार रुपये है।

Virat Vaibhav ND 28/05/2016 P-9

निर्देशः स्किल ट्रेड की शिक्षा से छात्रों को सीधे रोजगार से जोड़ा जाएगा

उत्तर प्रदेश में होगी स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना

वैभव न्यूज ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव आलोक रंजन ने निर्देश दिये हैं कि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के बाराबंकी स्थित परिसर में स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि स्किल यूनिवर्सिटी में छात्रों को कक्षा-09 एवं 10 के समकक्ष प्रमाण-पत्र दिलाने हेतु मान्यता प्राप्त करने की कार्यवाही सम्बन्धित बोर्ड से कराई जाए। उन्होंने कहा कि स्किल यूनिवर्सिटी में विभिन्न विधाओं में स्किल ट्रेड की शिक्षा छात्रों को दिलाकर सीधे रोजगार से जोड़ा जाए। स्किल डेवलपमेंट में अध्ययनरत छात्रों को किसी भी समय उच्च शिक्षा के स्तर की स्किल डेवलपमेंट की शिक्षा दिलाकर पूर्व में प्राप्त क्रेडिट का लाभ देते हुये नये क्रेडिट को संचित कर अध्ययनरत छात्रों को उच्च स्तर का रोजगार प्राप्त करने का अवसर प्राप्त कराये जायें। इसी व्यवस्था के अन्तर्गत बीई एवं बीटेक के समकक्ष स्किल

अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि द्वारा आगामी 19 जून को एमटेक, एमफार्मा, एमआर्क की आयोजित पहली बार प्रवेश परीक्षा को पारदर्शिता के साथ कराने के निर्देश दिए।

डेवलपमेंट की शिक्षा प्राप्त करने हेतु उच्चतम रोजगार भी छात्रों को प्राप्त हो सकेंगे। ऐसी व्यवस्था देश के किसी भी राज्य में अभी तक लागू न होने के कारण उत्तर प्रदेश रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने वाला देश का पहला राज्य होगा। उन्होंने अध्ययनरत छात्रों को विज्ञान एवं तकनीकी की शिक्षा से प्रेरित करने हेतु डॉ अब्दुल कलाम के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी सूचनायें उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय में अब्दुल कलाम मेमोरियल का कार्य आगामी 30 सितम्बर तक पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रदेश के स्नातक स्तर के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिलाने हेतु विश्वविद्यालय में गुणवत्ता के दृष्टिगत कम से कम 20 शिक्षण विकास कार्यक्रम आयोजित कराने के भी निर्देश दिये। उन्होंने शिक्षण विकास कार्यक्रम आयोजित कराने हेतु आईआईटी मुम्बई, एनआईटीटीआर कोलकाता से एमओयू कराने के भी निर्देश दिये। उन्होंने विश्वविद्यालय के डिग्री स्तर की संस्थाओं की उनके छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर विषयवार रैंकिंग निर्धारित करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि निर्धारित इस रैंकिंग से विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु होने वाली यूपीजेईई-2016 काउन्सलिंग के समय प्रदर्शित कर संस्थाओं में छात्रों को प्रवेश हेतु प्राथमिकता निर्धारित करायी जाये। रंजन ने अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा आगामी 19 जून को एमटेक, एमफार्मा, एमआर्क की आयोजित पहली बार प्रवेश परीक्षा को पारदर्शिता के साथ कराने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की गुणवत्ता बनाये रखने के लिये अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में प्रस्तावित आगामी 19 जून को पहली बार शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफल होने वाले शिक्षकों को एकेटीयू के विभिन्न प्राइवेट संस्थान में शिक्षकों की नियुक्ति हेतु अनिवार्य किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाये। उन्होंने आगामी जून माह से यूपीटीटीआई कानपुर एवं एनआईएफटी रायबरेली में हैण्डलूम बुनकर हेतु स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम प्रारम्भ करने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय में शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिये एमटेक एवं पीएचडी में प्रवेश लिये जाने वाले 50-50 छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान किये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा उच्च क्वालिटी के रिसर्च प्रपोजल मंगाकर उनको रिसर्च कार्य हेतु उपलब्ध कराया जाये। उन्होंने छात्रों की सुविधा हेतु क्वेशचन बैंक तैयार कराकर अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये ताकि अध्ययनरत छात्र परीक्षा की तैयारी सुचारु रूप से कर सकें।